FULL STOP - 35

अव्यक्त बापदादा (21.02.1983) **:-**

➳ _ ➳ चारों ओर के सभी सिकीलधे, स्नेही, सहयोगी, सर्विसएबुल बच्चों के पत्र तो क्या लेकिन दिल के मीठे-मीठे साजों भरे गीत बापदादा ने सुने। **जितना बच्चे दिल से याद करते हैं उससे पद्मगुणा ज्यादा बापदादा भी बच्चों को याद करते, प्यार करते और इमर्ज करके टोली खिलाते।** अभी भी सामने टोली रखी है। सभी बच्चे बाप के सामने हैं। केक काट रहे हैं और सभी बच्चे खा रहे हैं।

➳ _ ➳ **जो भी बच्चों ने समाचार लिखा है, अपनी अवस्था व सर्विस का, बापदादा ने सुने।** सर्विस का उमंग उत्साह बहुत अच्छा है।

➳ _ ➳ अभी थोड़ा बहुत जो माया के विघ्न देखते हो, वह भी नथिंग न्यू। माया सिर्फ पेपर लेने आती है। माया से घबराओ मत। **खिलौना समझकर खेलो तो माया वार नहीं करेगी। लेकिन आराम से विदाई ले सो जायेगी। इसलिए ज्यादा नहीं सोचो यह क्या हुआ, हो गया फुलस्टाप लगाओ** और आगे जाकर पदमगुणा जो कुछ रह गया वह भर लो। बढ़ते चलो और बढ़ाते चलो। बापदादा साथ है, माया की चाल चलने वाली नहीं है इसलिए घबराओ नहीं।

➳ _ ➳ **खुशी में नाचो, गाओ। अब तो अपना राज्य आया कि आया।** हे स्वराज्य अधिकारी, विश्व का राज्य भाग्य आपका इंतजार कर रहा है।

➳ _ ➳ अच्छा- सर्व को बहुत बहुत यादप्यार और 'निर्विघ्न भव' का वरदान बापदादा दे रहे हैं। जो बच्चे स्थूल धन की कमी के कारण पहुँच नहीं सकते उन्हें भी बापदादा याद दे रहे हैं। भल धन कम है। लेकिन हैं बादशाह। **क्योंकि आजकल के राजाओं के पास जो नहीं है वह इन्हीं के पास अविनाशी और जन्म -जन्म के लिए जमा है।** बापदादा ऐसे वर्तमान बेगमपुर के बादशाह और भविष्य विश्व के बादशाहों को बहुत बहुत यादप्यार देते हैं। ऐसे बच्चे दिल से यहाँ है, शरीर से वहाँ हैं। इसलिए बापदादा सम्मुख बच्चों को देख सम्मुख यादप्यार देते हैं।

➢➢ परिस्थिति / समस्या / माया / विघन को क्या क्या समझना है ?

➳ _ ➳ पेपर समझो

→ हमारे मनोस्थिति ऐसी होनी चाहिए की

- अब मुझे इसे पास करना है
- अछे अंक लेने हैं

→ मुझसे पहले ये पेपर बहुत आत्माओं ने दिया है

- और सभी पास विद ऑनर हुए हैं

➳ _ ➳ खेल समझो

→ और एक्सपर्ट हो जाओ उस खेल में

➳ _ ➳ साइड सीन समझो

→ जैसे ट्रेन में सफ़र करते हुए... बहुत सारे साइड सीन आते हैं

- हम किसी भी सीन से affect नहीं होते

➳ _ ➳ कार्टून शो

→ Enjoy करो उन परिस्थितियों को

➳ _ ➳ समस्या को समोसा बनाकर खा लो

➳ _ ➳ परिस्थिति पेपर टाइगर है

→ कागज़ का शेर है

→ परिस्थितियाँ शक्तिशाली नहीं होती

- हम उसे सोच सोच कर nutrients देते हैं
- हम उसे सोच सोचकर शक्तिशाली बनाते हैं

→ परिस्थिति की आँख में आँख डालकर देखो और उसका सामना करो

- परिस्थिति से डरो नहीं

➳ _ ➳ कसौटी है

→ की हमने ज्ञान योग को जीवन में कितना धारण किया है

➳ _ ➳ परिस्थितियों के बहुत मीठे मीठे लाभ हैं... उन्हें ढूंढो...

→ Sweet Are The Uses Of Adversity – Shakespere

➳ _ ➳ परिस्थिति एक आग है

→ जिसमे तपकर हमारा शुधिकरण हो रहा है

➳ _ ➳ अकल्याण के परदे के पीछे हमें कल्याण दिखने लगेगा

→ शांत और स्थित होने पर हमें भी वह कल्याण का पर्दा दिखने लगेगा

➳ _ ➳ प्रभु की सोगात है

→ तूफ़ान भी तोहफा है

- **Turn It To Your Advantage……**

➳ _ ➳ समर्पण का भाव

→ उसकी इच्छा में हमारी इच्छा है

➳ _ ➳ परिस्थिति हमें परिपक्व बनाने, शक्तिशाली बनाने, पाठ पढाने आई है.....

→ जिनके जीवन में कोई परिस्थित नहीं... वह आज भी वही हैं... जहां वो 10 साल पहले खड़े थे....

- जितने भी सम्राट बने है... उनके जीवन में बहुत जटिल परिस्थितयां थी...

→ इस संसार में ऐसा कोई भी नहीं जो बिना परिस्थितयों के शक्तिशाली बना है

- तैरना सीखने के लिए आपको नदी में छलांग लगानी पड़ेगी

➳ _ ➳ हिसाब चुक्तु, किताब बंद

→ कार्मिक अकाउंट Settle हो रहा है

➳ _ ➳ परिस्थिति एक हथोडा है

→ जिससे हमारी बहुत सुंदर चैतन्य मूर्ती तैयार हो रही है

➳ _ ➳ Stepping Stone To Success

→ सफलता की सीडी है